MOTMOT

कलीसिया और सेवकाई

खण्ड IV

डॉक्टर. जॉन. जे. मैनियन

MOTMOT सामग्री का यह दूसरा संस्करण लोगों के एक समूह की मदद से तैयार किया गया था, जिनमें सम्मलित हैं:

रेव्ह. केविन हिनमैन (तकनीकी संपादक) डॉ. रसेल डब्ल्यू. वेस्ट (प्रासंगिक संपादक)

MOTMOT सामग्री का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया गया है, जिनमें सम्मलित हैं:
स्पेनिश, रूसी, फ्रेंच, स्वाहिली, लुगांडा, मंदारिन, हिंदी, अरबी, और अन्य (उपलब्धता के लिए, कृपया लेखक के साथ संपर्क करें)

अनुवादकों के नाम MOTMOT के अनुवादित संस्करणों में इस डिब्बे में दिखाई देंगे

MOTMOT™ के लिए एक संक्षिप्त शब्द है: मोबिलाइजेशन ऑफ़ टीचर्स थ्रू द मल्टीप्लिकेशन ऑफ़ टीचिंगस अर्थात शिक्षाओं के विस्तार के द्वारा शिक्षकों को संगठित करना। कलीसिया और सेवकाई MOTMOT™ पैकेज के छह खण्डों में से एक है (जिसमें कुल ४९ पाठ्यक्रम हैं)। अन्य खण्ड सिद्धांत व ईश्वरीय मीमांसा, सम्बन्ध, बाइबल अध्ययन, नियोग, तथा मसीही जीवन हैं।

सर्वाधिकार सरोकार

MOTMOT™ सामग्री को शिक्षक के उपकरणयंत्र के रूप में बनाया गया है, शिक्षक किसी विशेष संदर्भ के लिए उनके उपयोग को समायोजित कर सकें। यह समझा जाता है कि कभी-कभी सामग्री के सीमित खण्ड वांछित होंगे। उपयोगकर्ता अपनी विशिष्ट आवश्यकता के लिए सामग्री के किसी भी हिस्से से चयन करने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि, उपयोगकर्ता सामग्री के प्रकाशित प्रारूप में जोड़ने या हटाने के लिए स्वतंत्र नहीं है। इसे सर्वाधिकार उल्लंघन माना जाता है। सामग्री बेचना भी सर्वाधिकार उल्लंघन है। लेखक सामग्री को निःशुल्क उपलब्ध कराता है। लेखक सामग्री को निःशुल्क उपलब्ध कराता है। वे बेचे नहीं जाते हैं और इसलिए, उन्हें किसी व्यक्ति या संगठन से नहीं खरीदा जाना चाहिए। MOTMOT™ यूनाइटेड स्टेट्स कॉपीराइट (सर्वाधिकार) ऑफिस, लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, वाशिंगटन डी.सी. में इसके लेखक जॉन जे. मैनियन द्वारा पंजीकृत है। दूसरा संस्करण (प्रकाशित संस्करण) उसी सर्वाधिकार के तहत पंजीकृत है।

वितरण नीति

MOTMOT™ सामग्री का प्राथमिक उद्देश्य विकासशील देशों के अगुवों को बाइबल शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराना है। विकसित देशों में भी निश्चित रूप से इन सामग्रियों की उपयोगिता है। इस प्रकार के उपयोग का स्वागत और प्रोत्साहित किया जाता है। फिर भी, यह इस अपेक्षा के साथ है कि सामग्रियों की प्रतिलिपि के परिणामस्वरूप विकासशील देशों में सामग्री का और वितरण होगा। इसलिए, उन विकसित राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को जो अपने स्वयं के उद्देश्यों के लिए या विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को वितरित करने (प्रतिलिपि बनाना) के उद्देश्य से सामग्री का उपयोग करने की इच्छा रखते हैं, उन्हें सबसे पहले अब्राहम की वाचा में प्रवेश करना चाहिए। यह वाचा लेखक के साथ नहीं, बल्कि परमेश्वर के साथ बनाई गई है (इस प्रकार, एक व्यवस्थित समझौता नहीं बल्कि एक आत्मिक समझौता है)। इस वाचा के माध्यम से, विकसित राष्ट्र के व्यक्ति/संगठन अपने स्वयं के उपयोग के लिए या विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को वितरण के लिए सामग्री मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं (हालांकि उन्हें अपनी मूल प्रति की छपाई/मेल करने का खर्च वहन करना होगा) और वसीयत में, उसी समय, विकासशील देशों में सामग्री के वितरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं (इस प्रक्रिया से संबंधित विवरण के लिए कृपया लेखक से संपर्क करें)।

<u>सामान्य तौर पर, सामग्री के प्रतिलिपि के संबंध में निम्नलिखित दिशानिर्देश स्थापित किए जाते हैं:</u>

१. निम्न बातें किसी भी परिस्थिति में उपयोग की जाने वाली कोई भी सामग्री नहीं है:
   - क. किसी व्यक्ति या संगठन के लिए लाभ उत्पन्न करना
   - ख. किसी व्यक्ति या संगठन की अनन्य संपत्ति बनें
   - ग. स्वामित्व/अधिकार का दिखावा के तहत विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को पेश किया जाना चाहिए (इस प्रकार, हालांकि सामग्री को विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को वितरित करने के लिए सामग्री की नकल किया जा सकता है, सामग्री देने का उपयोग ***अपने आप में*** नियंत्रण को निर्देशित करने के लिए नहीं किया जा सकता है या एक विकासशील राष्ट्र व्यक्ति/संगठन पर दिशा)।
   - घ. स्वामित्व/अधिकार के संदर्भ में संदर्भित किया जाना चाहिए, और इस प्रकार, स्वयं को सामग्री की नकल करने का अधिकार देने का अधिकार रखने के रूप में प्रस्तुत करना। यह विशेषाधिकार सीधे लेखक से मांगा और प्राप्त किया जाना चाहिए (सभी विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को इस आवश्यकता से छूट दी गई है; यानी, वे स्वयं या अन्य विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों के लिए सामग्री की नकल करने के लिए स्वतंत्र हैं, बिना सीधे अनुमति मांगे/प्राप्त किए लेखक)।

२. विकसित राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को सीधे लेखक से सामग्री प्राप्त करनी चाहिए (विकासशील राष्ट्र व्यक्ति/संगठन उन्हें लेखक, किसी अन्य विकासशील राष्ट्र व्यक्ति/संगठन, या किसी भी विकसित राष्ट्र व्यक्ति/संगठन से प्राप्त कर सकते हैं जिसने अब्राहम की वाचा में प्रवेश किया है) सामग्री नहीं बेची जाती है; हालांकि, वे विकसित राष्ट्र के व्यक्ति/संगठन जो उन्हें लेखक से प्राप्त करते हैं, उन्हें अपनी प्रतिलिपि की छपाई/मेल करने के लिए लेखक को अपनी कॉपी प्रिंट करने/मेल करने के लिए अपना खर्च स्वयं वहन करना होगा (चाहे वह अपने स्वयं के उपयोग के लिए या विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को वितरण के लिए)।

३. विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों द्वारा उपयोग के लिए सामग्री की असीमित प्रतियों की नक़ल की जा सकती है। विकसित राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को पहले एक अब्राहम की वाचा में प्रवेश करना चाहिए, लेकिन फिर विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को वितरण के लिए असीमित संख्या में प्रतियों की नकल करने के लिए स्वतंत्र हैं। विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को अपने स्वयं के उपयोग के लिए या किसी अन्य विकासशील राष्ट्र व्यक्ति/संगठन द्वारा उपयोग के लिए सामग्री की नकल करने के लिए एक अब्राहम की वाचा में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं है।

४. विकसित राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों द्वारा सामग्री की नकल की अनुमति नहीं है (उन्हें सीधे लेखक से प्राप्त करना होगा)। इसका एकमात्र अपवाद "भाग दर भाग" सामग्री की नकल के मामले में है; अर्थात्, एक विकसित राष्ट्र के रूप में व्यक्ति/संगठन सामग्री पढ़ा रहा है (पाठ्यक्रम द्वारा पाठ्यक्रम, या पाठ्यक्रम के अनुभाग द्वारा पाठ्यक्रम), वे अपने छात्रों के लिए सामग्री के उस हिस्से की नकल कर सकते हैं। यदि वे छात्र सामग्री के पूरे समूह को एक बार में प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें भी उन्हें सीधे लेखक से प्राप्त करना होगा। इसके अलावा, यह अपेक्षित है कि जो छात्र शिक्षण के एक संगठित कार्यक्रम के के माध्यम से बैठकर सामग्री के बड़े हिस्से को प्राप्त करते हैं, वे विकासशील राष्ट्र व्यक्तियों/संगठनों को सामग्री के वितरण को आगे बढ़ाने के लिए कुछ करने के लिए स्वयं को ले लेंगे (भले ही ऊपर बताए गए अपवाद के कारण उन्हें एक अब्राहम की वाचा में प्रवेश नहीं करना पड़ेगा, यदि वे इसके बारे में जानते हैं तो यह आशा की जाती है कि वे किसी तरह से इसका पालन करेंगे)।

   ध्यान दें: अब्राहम की वाचा के पैकेट के भीतर एक सूचना दी गई है ताकि जो लोग इस अपवाद के तहत सामग्री की नकल करते हैं, उनके पास अपने छात्रों को इन चीजों की सूचना देने के लिए कुछ देने के लिए हो सकता है।

अब्राहम की वाचा का पैकेट प्राप्त करने के लिए कृपया लेखक से संपर्क करें:

डॉ. जॉन मैनियन
११०८ ई. सिएटल कोर्ट
ब्रोकन एरो, ओके १४०१२१

ई-मेल: mannionfam@vahoo.com

© जॉन मैनियन, १९९२। संशोधित १९९४ (इस पृष्ठ १९९८ को संशोधित किया गया)

MOTMOT

MOTMOT™ के प्रिय प्राप्तकर्ता:

MOTMOT™ के लेखक के रूप में मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि परमेश्वर आपके माध्यम से क्या करने की योजना बना रहा है जब आप इन सामग्रियों का उपयोग करते हैं। कृपया परिचय और सर्वाधिकार पृष्ठ अवश्य पढ़ें। यह स्पष्ट रूप से MOTMOT™ के इतिहास, उद्देश्य और बनावट की व्याख्या करता है। यह आवरण पत्र सेवकाई के कानूनी पहलुओं की व्याख्या करता है।

MOTMOT™ बनाने वाली सामग्री सर्वाधिकार सामग्री के रूप में मान्य होगी। कृपया निम्नलिखित नियमों का पालन करें:

१) MOTMOT™ के लिखित रूप से कुछ भी हटाया या जोड़ा नहीं जा सकता है।

२) MOTMOT™ के अनुवादों की अनुमति है और उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। हालाँकि, लेखक को पहले संपर्क करना चाहिए। सामग्री का कोई भी अनुवाद, निश्चित रूप से, MOT- MOT™ का हिस्सा बन जाएगा और इसलिए, इसके सर्वाधिकार द्वारा संरक्षित किया जाएगा।

३) स्पष्ट रूप से, मुझे इस बात में बहुत रुचि है कि परमेश्वर इन सामग्रियों को केसे उपयोग करेंगे। सामग्री का उपयोग कैसे किया जा रहा है, इसके बारे में मुझे सूचित करने के लिए कृपया मेरे संपर्क में रहें।

मसीह में,
डॉ. जॉन. जे. मैनियन, डी. मिन।

अधिक जानकारी के लिए लेखक से संपर्क करें: डॉ. जॉन मैनियन

डॉ. जॉन मैनियन
१७०८ ई. सिएटल कोर्ट
ब्रोकन एरो, ओके ७४०१२

ई-मेल: mannionfam@yahoo.com

लेखक के बारे में

डॉ. जॉन मैनियन ने अपने नियोगरी, शिक्षण और शैक्षिक अनुभव के आधार पर MOTMOT™ सामग्री तैयार की। उन्होंने ज़ाईर, अर्जेंटीना और ग्वाटेमाला में एक पूर्णकालिक नियोगरी शिक्षक के रूप में सेवा की है, और कई अन्य देशों में एक सम्मेलन शिक्षक रहे हैं। MOTMOT™ का जन्म दुनिया भर में स्वदेशी कलीसिया को शिक्षण संसाधन सामग्री प्रदान करने की जॉन की इच्छा से हुआ था।

जॉन इंटरनेशनल लीडरशिप ट्रेनिंग के सह-संस्थापक हैं, जहां वे सम्मेलनों में पढ़ाने, MOTMOT™ वितरित करने और बाइबल स्कूल शुरू करने में मदद करने के लिए विश्व स्तर पर यात्रा करते हैं। वह वर्जीनिया में बाइबल शिक्षक संस्थान के संस्थापक और निदेशक हैं, जो एक मान्यता प्राप्त एसोसिएट्स डिग्री प्रोग्राम प्रदान करने के लिए MOTMOT™ का उपयोग करता है।

जॉन ने रीजेंट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ डिवाइनिटी डिग्री और रिफॉर्मेड थियोलॉजिकल सेमिनरी से डॉक्टर ऑफ मिनिस्ट्री की डिग्री हासिल की है। उनके और उनकी पत्नी ऑड्रे के चार बच्चे हैं।

स्वीकृतियाँ

MOTMOT™ का १९९४ का संशोधन समर्पित और सक्षम कर्मचारियों की एक टीम द्वारा तैयार किया गया था। मूल सामग्री में काफी सुधार हुआ है क्योंकि परमेश्वर ने विशेष रूप से प्रतिभाशाली लोगों के साथ कुछ कार्यों का मिलान किया है।

एल.टी.आई. के सह-संस्थापक, रेव. केविन हिनमैन, जिनके पास एम. डिव. और पत्रकारिता में एम.ए है, ने सामग्री के प्रारूप और शैली को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी संपादक के रूप में कार्य किया।

एल.टी.आई. के सह-संस्थापक, डॉ.रसेल डब्ल्यू. वेस्ट, जिन्होंने मिशनों में एम.ए. और पीएच.डी.पार - सांस्कृतिक संचार, में, सामग्री के अधिक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील पैकेज का उत्पादन करने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग किया।

अतिरिक्त आभार निम्नलिखित टीम के सदस्यों को जाता है:

शर्ली जूस	-	परियोजना प्रबंधन और प्रूफरीडिंग
टमारा टारप्ले	-	डेस्कटॉप प्रकाशन और डिजाइन
थॉमस पोलियार्ड	-	डेस्कटॉप प्रकाशन
कैरल हिनमैन	-	डेस्कटॉप प्रकाशन और सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण
रे केसी	-	शब्द प्रसंस्करण
फीलिस रेनॉल्ड्स	-	शब्द प्रसंस्करण
मार्गरेट फ्लेचर	-	शब्द प्रसंस्करण
ब्रैड सीबेल	-	कंप्यूटर हार्डवेयर और प्रणाली

विशेष धन्यवाद

रीजेंट यूनिवर्सिटी में मेरे सभी पूर्व प्रोफेसरों को मेरे जीवन में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूँ। ये सामग्रियां उनकी कलीसिया के फल के एक हिस्से को दर्शाती हैं। विशेष रूप से अपने कंप्यूटर से जुड़े ज्ञान को साझा करने के लिए टेरी काइल को भी धन्यवाद देता हूँ। अंत में, मैं विशेष रूप से मेरी पत्नी ऑड्रे को उनके सभी धैर्य और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। परमेश्वर की महिमा हो।

इन सामग्रियों का इतिहास

इस सेवकाई ने विकासशील राष्ट्रों में अगुवों के लिए शिक्षण सामग्री प्रदान करने की इच्छा से जन्म लिया था। दुनिया के तीन अलग-अलग हिस्सों में एक नियोगरी होने के बाद, मैंने एक बदलाव की आवश्यकता को पहचाना जो अवश्य ही होना चाहिए। अधिकांश पारंपरिक "नियोग क्षेत्र" अब नियोग क्षेत्र नहीं हैं। कलीसियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं और अपने आप प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम हैं। अधिकांश अगुवे पहले से ही दृढ़ता से अनुशासित हैं। और बाइबल के अनुसार अच्छी तरह प्रशिक्षित हैं। एक उत्तर अमेरिकी नियोगरी उनकी और अधिक मदद करने के लिए क्या कर सकता है?

प्रभु ने मुझे दिखाया कि कैसे अगले स्तर तक जाना है ताकि शिक्षकों को बेहतर सुसज्जित बनने में मदद मिल सके। विकासशील देशों में स्थापित कलीसिया के अगुवों के पास क्षमता की कमी नहीं है, लेकिन उनके पास साधनों की कमी है। इस प्रकार, MOTMOT™ उनके लिए एक उपकरण के रूप में बनाया गया था। इसका उपयोग मौजूदा कलीसिया के अगुवों के द्वारा अपने लोगों को सिखाने, संगठित करने और उन्हें सुसज्जित करने के लिए तत्काल और प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्हें शिक्षण स्वयं करना चाहिए, क्योंकि वे इसे स्वयं करने में बहुत सक्षम हैं। MOTMOT™ इस कार्य को करने के लिए केवल एक उपकरण प्रदान करता है।

इन सामग्रियों का उद्देश्य

इफ़िसियों ४:११,१२ कहता है: "उसने कुछ लोगों को... शिक्षक के रूप में दिया, जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाएँ और मसीह की देह उन्नति पाए" एक शिक्षक के लिए पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। इस बुलाहट में एक दूसरा पहलू भी शामिल है। शिक्षक को दूसरों को पढ़ाने के लिए तैयार करना चाहिए। उन्हें अपना वरदान बढ़ाना चाहिए (मत्ती २५:१४,२७) अन्यथा वे इसे खो देंगे (मत्ती २५:२८,२९)। राष्ट्रीय शिक्षकों को पढ़ाना चाहिए और अधिक राष्ट्रीय शिक्षकों को भी उत्पन करना चाहिए। यह MOTMOT™ का उद्देश्य है, अन्य शिक्षकों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करना। इस तरह, शिक्षाओं का विस्तार किया जाता है और प्रक्रिया जारी रहती है।

इस सेवकाई का एक महत्वपूर्ण पहलू है। ये निशुल्क है। शिक्षाओं को निशुल्क रूप से बांटा जाना है। इसका अर्थ यह नहीं है कि इन सामग्रियों के शिक्षक अपनी सेवकाई के लिए समर्थन प्राप्त नहीं कर सकते (लूका १०:७; १ तीमुथियुस ५:१७,१८)। इसका सीधा सा अर्थ है कि सामग्री को लाभ के लिए नहीं बेचा जा सकता है या किसी सेवकाई के नियंत्रण को सुरक्षित करने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है (उदाहरण के लिए, नियंत्रण या क्रेडिट के बदले दूसरों को सामग्री देना, या अपनी स्वयं की सेवकाई के लिए मान्यता)। ये सामग्री सेंतमेंत दी गई है और इसे सेंतमेंत बांटते रहना चाहिए (मत्ती १०:८)।

इन सामग्रियों का प्रारूप

इन सामग्रियों के एक पूरे समूह में ४९ पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं, जिसमें कुल ७०० शिक्षण घंटे हैं। १० घंटे की लंबाई के २८ पाठ्यक्रम और २० घंटे के २१ पाठ्यक्रम हैं। अवलोकन अनुभाग इस खण्ड में प्रत्येक पाठ्यक्रम का वर्णन करता है और पाठ्यक्रम की अवधि बताता है।

इन सामग्रियों को राष्ट्रीय अगुवों द्वारा उपयोग करने के लिए बनाया गया है जो दूसरों को सिखाने में सक्षम हैं। इस प्रकार, एक निश्चित मात्रा में बाइबल ज्ञान ग्रहण किया जाता है। सामग्री "शिक्षण रूपरेखा प्रपत्र" में है और इसे एक सामान्य मार्गदर्शिका के रूप में उपयोग करने के लिए बनाया गया है। सामग्री सबसे प्रभावी होती है जब शिक्षक अपने परमेश्वर द्वारा दिए गए शिक्षण के वरदान को लागू करता है और अपनी शैली का उपयोग करता है, जिसमें शामिल हैं: सांस्कृतिक उदाहरण, कहानियां, समानताएं, स्पष्टीकरण और अनुप्रयोग। इस तरह, MOTMOT™ वास्तव में एक पाठ्यचर्या से अधिक एक उपकरण है।

सामग्री इस बात पर ध्यान केंद्रित करती है कि बाइबल क्या कहती है न कि लेखक की सांस्कृतिक समझ या अनुप्रयोग पर। शिक्षकों को एक संपूर्ण उपकरण या पैकेज प्रदान करने के लिए उन्हें एक एकीकृत और व्यवस्थित तरीके से विकसित किया गया है। सामग्री का उद्देश्य अच्छी तरह लक्ष्य निर्धारित करना है जो परमेश्वर को जानने और दूसरों को उसके बारे में बताने पर केंद्रित है। नियोग निश्चित रूप से एक महत्त्व है और आशा है कि कई मजदूरों को कटनी के लिए भेजा जाएगा (मत्ती १०:३८)। हालाँकि, एक नियोगरी सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण परमेश्वर के वचन का सेवक होता है। उसे विभिन्न क्षेत्रों में व्यवस्थित तरीके से पूरी तरह से प्रशिक्षित और अनुशासित किया जाना चाहिए। यह पादरियों, प्रचारकों और शिक्षकों के लिए भी सच है।

अगले पृष्ठ पर आरेख ४९ पाठ्यक्रमों की एक सूची प्रदान करता है और दिखाता है कि उन्हें कैसे व्यवस्थित किया जाता है।

मसीही उद्देश्य पर आधारित शिक्षण सामग्री

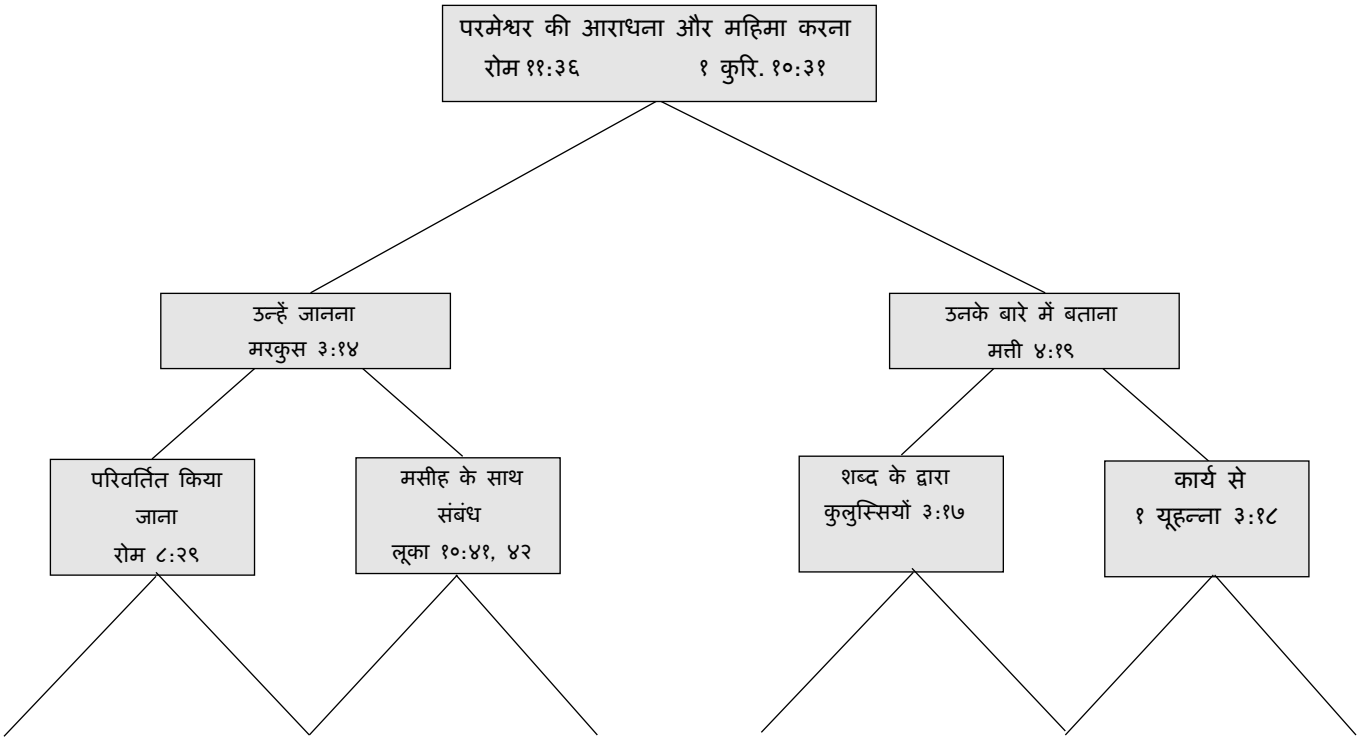

सिद्धांत व ईश्वरीय मीमांसा	सम्बन्ध	बाइबल अध्ययन	कलीसिया और सेवकाई	नियोग	मसीही जीवन
१. यीशु की शिक्षाएँ I २. यीशु की शिक्षाएँ II ३. यीशु की शिक्षाएँ III ४. सुसमाचार और राज्य ५. छुटकारा व उद्धार ६. पवित्र आत्मा ७. स्वर्गदूत और दुष्ट आत्माएं ८. अधिकार, निष्ठा, और पवित्रशास्त्र	१. परमेश्वर को जानना I २. परमेश्वर को जानना II ३. प्रार्थना और उपवास ४. स्तुति और आराधना ५. कलीसिया की संगति ६. छोटे समूह ७. विवाह	१. बाइबल का परिचय २. बाइबल अध्ययन I ३. बाइबल अध्ययन II ४. बाइबल अध्ययन III ५. बाइबल अध्ययन IV ६. पुराना नियम I ७. पुराना नियम II ८. पुराना नियम III ९. नया नियम I १०. नया नियम II ११. नया नियम III	१. मसीही अगुवा २. कलीसिया का प्रशासन ३. कलीसिया और संस्कार ४. व्यावहारिक शिष्यता ५. कलीसिया का अनुशासन ६. कलीसिया की बढौतरी/बेदारी ७. पासबानों के परामर्श ८. उपदेश देना और सिखाना ९. पवित्र आत्मा के वरदान	१. व्यावहारिक सुसमाचार प्रचार २. महान आज्ञा की नींव ३. नियोग I ४. नियोग II ५. नियोग III ६. कलीसिया रोपण ७. इस्लाम ८. आत्मिक युद्ध	१. मसीही चरित्र २. विश्वास ३. पहाड़ी उपदेश ४. गरीबों के बीच सेवकाई ५. बाइबल और धन ६. नीतिवचन: बात करना और अनुप्रयोग करना

MOTMOT

कलीसिया और सेवकाई

विषय – सूची

पाठ्यक्रम शीर्षक	पृष्ठ
मसीही अगुवा	१
कलीसिया का प्रशासन	५५
कलीसिया और संस्कार	८३
व्यावहारिक शिष्यता	१०७
कलीसिया का अनुशासन	१४५
कलीसिया की बढौत्तरी/जागृति	१६७
पासबानों के परामर्श	१९१
उपदेश देना और सिखाना	२१७
पवित्र आत्मा के वरदान	२५७

खण्ड चार का अवलोकन: कलीसिया और सेवकाई

पाठ्यक्रम शीर्षक	घंटे	पाठ्यक्रम विवरण
मसीही अगुवाई	२०	अगुवे के सिद्धान्तों पर एक बाइबल अध्ययन, जो अगुवे के "क्या", "क्यों" और "कैसे" पर ध्यान केन्द्रित करता है।
कलीसिया का प्रशासन: देह का जीवन	१०	कलीसिया के प्रबन्ध, उसकी संरचना, उसके संगठन से सम्बन्धित बाइबल आधारित शोध, जो अगुवे की अनेकता तथा मसीह की देह पर ध्यान केन्द्रित करता है।
कलीसिया और संस्कार	१०	कलीसिया के बाइबल आधारित चित्रण तथा प्रभु भोज व बपतिस्मा पर एक अध्ययन।
व्यावहारिक शिष्यता	१०	किसी व्यक्ति को किस तरह चेला बनाया जाए पर एक व्यावहारिक अध्ययन, जिसमें बुनियादी शिष्यता के विषयों और अध्ययनों वाले 30 बिन्दुओं वाला एक कार्यक्रम शामिल है।
कलीसिया का अनुशासन	१०	कलीसिया में अनुशासन के तरीकों और प्रेरणाओं का एक नया नियम पर आधारित अध्ययन।
कलीसिया की बढौतरी/जागृति	१०	कलीसिया की उन्नति के सिद्धान्तों और उसके साथ जागृति से सम्बन्धित बाइबल आधारित दृष्टिकोणों का अध्ययन।
पासबानों के परामर्श	१०	पासबान के दृष्टिकोण से परामर्श के सिद्धान्त व उसका अभ्यास।
उपदेश देना और सिखाना	२०	एक बुनियादी अध्ययन जो हमें बताता है कि किस प्रकार प्रचार किया जाता व शिक्षा प्रदान की जाती तथा किस प्रकार उपदेशों व शिक्षाओं को तैयार किया जाता है। लगभग आधा पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के संदेशों और शिक्षाओं को सुनने के लिए तैयार किया गया है।
पवित्र आत्मा के वरदान	२०	रोमियों 12,1कुरिन्थियों और इफिसियों 4 में दिये गये आत्मिक वरदानों के स्वभाव और उनके इस्तेमाल से सम्बंधित एक सम्पूर्ण अध्ययन।